नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

ज्ञान शांति मैत्री

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की छठी बैठक

अकादमिक विकास पर हुई चर्चा, आगामी सत्र में खुलेंगे नए पाठ्यक्रम

वर्धा, 21 मार्च 2016: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में सोमवार को हुई आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की छठी बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। विश्वविद्यालय के अकादमिक विकास के साथ-साथ नये सत्र में प्रयोजनमूलक हिंदी तथा विधि जैसे नए पाठ्यक्रम को शुरू किये जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, दिल्ली

विश्वविद्यालय के प्रो. आनंद प्रकाश, एमगिरी के निदेशक प्रो. प्रफुल्ल काले, यशवंत महाविद्यालय के विधि विभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक पावड़े, गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ. शोभा पालीवाल, कुलानुशासक प्रो. सूरज पालीवाल, विद्यार्थी कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार राय, प्रदर्शनकारी कला विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुरेश शर्मा, अनुवाद अध्ययन विभाग की अध्यक्ष डॉ. अन्नपूर्णा सी., पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. मैत्रेयी घोष, संयुक्त कुलसचिव, (अकादमिक) कादर नवाज खान, विद्यार्थी प्रतिनिधि सुधीर जिंदे उपस्थित थे।

भाषा विद्यापीठ के सभागार में आयोजित बैठक में स्वागत वक्तव्य डॉ. शोभा पालीवाल ने दिया। बैठक में कार्पस फंड में दी जाने वाली राशि पर टैक्स में छूट देना, सत्र 2016-17 में नए विषय एवं पाठ्यक्रमों को शुरू किया जाना, आंतरिक गुणवत्ता बढ़ाने के प्रयास, अध्यापन में सृजनशीलता को विकसित करना, पीबीएएस फार्म की अनिवार्यता, एपीआई के केटेगिरी सं. तीन में संशोधन, विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति तथा प्रतिभागिता को बढ़ावा देते हुए उन्हें समाज से सक्रियता से जोड़ने के लिए उपक्रमों को चलाया जाना आदि महत्वपूर्ण

विषयों पर चर्चा की गयी।

कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालय में बिजली की खपत कम करने पर हम गंभीरता से प्रयास कर रहे है और इस दिशा में सौर ऊर्जा के विकल्प पर अधिक जोर दे रहे है। कुलपति के

सुझाव पर एमगिरी के निदेशक प्रो. प्रफुल्ल काले ने कहा कि एलईडी बल्ब की अनिवार्यता करने से बड़े पैमाने पर बिजली की बचत हो सकती है और ऐसे बल्ब लगाये जा सकते हैं। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ने पांच गांव गोद लिये हैं और वहां पर अनेक कार्ययोजनाएं आरंभ कर दी गयी हैं। इन गावों में गणेशपुर, बोरगांव, तामसवाडा, चिकनी और जामनी शामिल हैं। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार राय ने बताया कि जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों द्वारा किसान आत्महत्या को लेकर वर्धा जिले के ग्यारह गावों का सर्वे किया जा रहा है और आत्महत्या के पीछे के कारणों का एक डेटा बनाया जा रहा है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में हाल के दिनों में अध्यापकों को लगभग साठ लाख रुपयों की परियोजनाएं विभिन्न संस्थानों तथा एजंसियों से स्वीकृत हुई हैं। उन्होंने आशा जताई कि आगामी वर्षों में अधिक से अधिक अध्यापक इस प्रकार की परियोजनाओं पर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि इस शैक्षणिक सत्र में राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियां, कार्यशालाएं, उपक्रमों और कार्यक्रमों के आयोजनों से विश्वविद्यालय की अकादमिक गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। बैठक का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शोभा पालीवाल ने किया।